AZAD UPPCS ACADEMY

AZAD UPPSC ACADEMY

Unit Of Azad Group

Azad Group

empowering nation...

घटनाचक्र पूर्वावलोकन 2021मध्यकालीन इतिहास

Q1:- निम्नलिखित जोड़ों में कौन–सा सही सुमेलित हैं?

(A). शम्स –ए – सिराज अफीक

(B). तारीख –ए– फिरोजशाही

(C). जियाउद्दीन बरनी

(D). तारीख – ए– मुहम्मदी

AZAD UPPCS ACADEMY

1(a) :- शम्स –ए– सिराज अफीक ने कई ग्रन्थों की रचना की थी, परन्तु उनमें से तारीख –ए– फिरोजशाही ही उपलब्ध है। तबकात –ए–नासिरी, मिनहाज –उस– सिराज, फतवा –ए– जहांदारी, जियाउद्दीन बरनी की तथा रेहला इब्नबतूता की रचना है।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q2:- निम्न में से कौन–सा कथन असत्य हैं?

(A). खिलजी वंश की स्थापना जलालुद्दीन खिलजी ने की
(B). इस वंश को विकास के चरम पर अलाउद्दीन खिलजी ने पहुंचाया
(C). मुबारक खिलजी ने दक्षिण भारत के राज्य देवगिरि को दिल्ली सल्तनत में मिला
(D). इनमें से कोई नहीं

AZAD UPPCS ACADEMY

2(d) :- जलालुद्दीन 13 जून, 1290 को जलालुद्दीन फिरोज खिलजी की उपाधि के साथ सिंहासन पर बैठा था । उसने किलोखरी को अपनी राजधानी बनाया था। अलाउद्दीन खिलजी साम्राज्यवादी था । उसने इसे चरम पर पहुंचाया था। कुतुबद्दीन मुबारक खिलजी 19 अप्रैल, 1316 को दिल्ली गद्दी पर बैठा था। इसने गुजरात विद्रोह दमन तथा देवगिरी ग्रहण किया था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q3:- अलाउद्दीन खिलजी का राजत्व सिद्धांत किस अवधारणा पर आधारित था?

(A). राजत्व का कोई रक्त –संबंधी नहीं होता
(B). राज्य का कल्याण एवं प्रजा का हित राजत्व का सर्वोच्च आदर्श होता है।
(C). शासक स्वयं में एक कानून होता है
(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

3(d) :-अलाउद्दीन के बचपन का नाम अली तथा गुस्सास्य था। अमीर सुजुक अलाउद्दीन ने सिंहासन पर 22 अक्टूबर, 1296 में कब्जा कर लिया था। महत्वाकांक्षी और योग्य अलाउद्दीन अपने निजी विचारों में कहता था कि राजा का कोई रक्त संबंधी नहीं होता। प्रजा का हित ही सर्वोच्च आदेश होता है।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q4 :- फिरोजशाह तुगलक ने शासनकाल में:

(A). हिसार, फिरोजाबाद जौनपुर आदि नए नगर बसाए गए
(B). झांसी तथा सिरसा के क्षेत्रों में पानी की कमी को दूर करने के लिए अनेक नहरों की खुदाई की गई
(C). ब्राह्मणों पर जजिया कर लगाए गए
(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

4(d) :- फिरोज तुगलक ने हिसार, फिरोजाबाद, जौनपुर नगरों को बासाया था। झांसी सिरसा क्षेत्र में नहरों का निर्माण कियाा तथा 24 करों को खत्म कर 4 कर निर्धारित करके ब्राह्मणों पर जजिया कर लगाया था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q5:- बलबन ने अपनी बादशाहत को निम्न में किस कारण से सर्वोच्चता के रूप में स्थापित किया।

(A). अपने आपको प्रतिष्ठित करने के लिए

(B). किसी भी प्रकार के विद्रोह की संभावनाओं को रोकने के लिए

(C). खलीफा की शक्ति में कमी के लिए

(D). शासन के पृथक्करण की स्थापना के लिए

AZAD UPPCS ACADEMY

5(b) :- इल्बरी जाति के गयासुद्दीन बलबन ने बलबनी राजवंश की स्थापना की थी। इसने न सिर्फ 40 तुर्क सरादारों के संघ तुर्को के चहलगामी को नष्ट किया बल्कि किसी भी प्रकार के विद्रोह को खत्म करने के लिए स्वयं को सर्वोच्च रूप से स्थापित भी किया था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q6:- मोहम्मद – बिन – तुगलक को पागलपन और बुद्धिमत्ता का मिश्रण क्यों कहा जाता हैं?

(A). क्योंकि उसने प्रशासन में जितने सुधार करने चाहे वे सब असफल हो गए

(B). उलेमा वर्ग उससे असंतुष्ट था

(C). क्योंकि वह वास्तव में पागल था

(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

6(a) :- मुहम्मद – बिन– तुगलक विद्वान था, शिक्षित तथा कई भाषाओं का जानकार था लेकिन व्यावहारिकता के धरातल पर उसकी हर अच्छी योजना बुरी साबित हुई । अतः वह बुद्धिमान और पागल दोनों था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q7:- निम्नलिखित जोड़ों में कौन असत्य है?

(A). दीवान –ए– बन्दगाह– दास विभाग
(B). दीवान– ए – अमीरकोही –कृषि विभाग
(C). दीवान– ए– रिसालत –सैनिक विभाग
(D). दीवान–ए– वकुफ –आय– व्यव के कागजो की देखभाल करने वाला विभाग

AZAD UPPCS ACADEMY

7(c) :- दीवान –ए–रसालत वास्तव में विदेशों से पत्र व्यवहार तथा विदेशों को भेजे जाने वाले राजदूतों की देखभाल करता था। कुछ इतिहासकार इसे धर्म विभाग भी मानते है।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q8:- निम्नलिखित जोड़ों में से कौन–सा जोड़ा असत्य है।

(A). तबकाल –ए – नासिरी : मिनहाज –उस– सिराज
(B). जैन–उल–अखबार : अबू सईद
(C). तारीख –ए– फिरोजशाही : शम्स – ए–शिराज अफीक
(D). ताज–उल मासिर : बरनी

AZAD UPPCS ACADEMY

8(d) :- ताजुल मासिर की रचना हसन निजामी ने की थी। इस ग्रंथ में जिस विषय पर विशेष ध्यानाकर्षण किया गया है, वह है—मुहम्मद गौरी के समय घटी घटनाएं।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 9 :- इल्तुतमिश द्वारा किये गये कार्यो पर विचार करें:

(i) इक्ता प्रणाली की शुरूआत

(ii) दिल्ली में स्थित कुतुबमीनार का निर्माण कार्य प्रांरम्भ करवाया।

(iii) सबसे पहले शुद्ध अरबी सिक्के जारी किये।

(iv) 'तुर्कान –ए– चिहलगान' संगठन का निर्माण।

(v) सर्वप्रथम दिल्ली के अमीरो का दमन किया।

उपरोक्त में से कौन–कौन से कार्य इल्तुतमिश द्वारा किय गये?

(A). i, ii,iv, v (B). i, iii,iv, v

(C). ii, iii,iv, v (D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

9(d) :- इल्तुतमिश द्वारा किये गये महत्वपूर्ण काय्र निम्नलिखित हैं:

(i) इक्ता प्रणाली की शुरूआत

(ii) दिल्ली स्थिर कुतुबमीनार, जिसकी नींव कुतुबद्दीन ऐबक ने डाली, के निर्माण कार्य को पूर्ण करवाना।

(iii) सबसे पहले शुद्ध अरबी सिक्के जारी किये (चांदी का टंका एवं तांबे का जीतल)

(iv) चालीस गुलाम सरदारों का संगठन बनाया, जो तुर्कान–ए– चिहलगानी के नाम से जाना गया।

(v) सर्वप्रथम दिल्ली के अमीरों का दमन किया।

AZAD UPPCS ACADEMY

AZAD UPSC ACADEMY
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभागी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

ACADEMY

Q 10 :- निम्न को सुमेलित करें:

a.	हिन्दुओं द्वारा दिया जाने वाला भूमि की	1.	खुम्स
b.	युद्ध की लूट में राज्य का 1/5 भाग	2.	खराज
c.	मुस्लिमों द्वारा किया जाने वाला भूमि कर	3.	उशरफ
d.	मुस्लिमों पर लगने वाला धार्मिक कर	4.	जकात

कूट:

	a	b	c	d
(A).	2	1	3	4
(B).	2	3	4	1
(C).	1	2	3	4
(D).	3	2	4	1

AZAD UPPCS ACADEMY

10(a) :- खराज गैर–मुसलमानों से लिया जाने वाला भूमि कर था। इसमें उपज का 1/3 से 1/2 भाग तक वसूला जाता था। 'खुम्स' लूट का धन होता थां इसका 1/5 भाग राजकोष में तथा 4/5 भाग सैनिकों को बांट दिया जाता था। 'जकात' मुसलमानों से लिया जाने वाला धार्मिक कर था। वह केवल संपन्न लोगों से लिया जाता था 'उशरफ या उश्र' नामक कर भूमिकर था, जो मुसलमानों से लिया जाता था।

Q 11 :- निम्नलिखित युग्मों में कौन–सा सही रूप में सुमेलित है?

(A). दीवान –ए– बंदगान – तुगलक

(B). दीवना – ए– मुस्तखराज – बलबन

(C). दीवान – ए– कोही – अलाउद्दीन खिलजी

(D). दीवान –ए– अर्ज – मुहम्मद तुगलक

AZAD UPPCS ACADEMY

11(a) :- दीवान–ए– बंदगान' विभाग का गठन फिरोजशाह तुगलक ने किया। यह विभाग दासों की देखरेख करता था। फिरोज के शासनकाल में दासों की संख्या में अभूर्तपूर्व वृद्धि हुई। अफीक के लेखानुसार राजधानी तथा प्रांतो में दासों की संख्या बढ़कर एक लाख अस्सी हजार हो गई। अलाउद्दीन खिलजी ने राजस्व व्यवस्था से भ्रष्टाचर और लूट को समाप्त करने के लिए एक नए विभाग 'दीवना –ए– मुस्तखराज' की व्यवस्था की। मुहम्मद बिन तुगलक ने संकट की स्थिति में कृषकों को सहायता प्रदान करने के लिए केन्द्र में कृषि विभाग (दीवान–ए– कोही) की सीपना की। दीवान– ए– अर्ज (सैनिक विभाग) की स्थापना बलबन ने की थी।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q12:-अलाउद्दीन खिलजी की राजस्व प्रणाली के सुधार के संबंध में कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

1. भूमि अनुदानों की समाप्ति
2. मुकद्दमों, खुतों व चौधरियों (मोरलैण्ड के शब्दो में–'मध्यस्थ वर्ग') के विशेषाधिकारों की समाप्ति एवं 'दीवान–ए– मुसतखराज' की स्थापना।
3. बिस्वा के आधार पर भूमि की पैमाइश कर सकल उत्पाद का 50% खराज (भूराजस्व) निर्धारित
4. जकात, जजिया, खुम्स/गनीमा की नई दर निर्धारित ।

कूटः

(A). 1, 2 एवं 3
(B). 1, 2, 3 एवं 4
(C). 1, 2 एवं 4
(D). 2, 3 एवं 4

AZAD UPPCS ACADEMY

12 (b) :- अलाउद्दीन पहला सुल्तान था, जिसने भूमि की पैमाइश कर उपज का 50 भूमि कर (खराज) के रूप में निश्चित किया। इसके लिए उसने बिस्वा को इकाई माना। अपनी व्यवस्था को लागू करने के लिए उसने एक अलग विभाग 'दीवान–ए–मुस्तखराज' की स्थापना की । अलाउद्दीन ने परंपरागत लगान अधिकारियों (खुत्त, मुकद्दम एवं चौधरी) से लगान वसूल करने का अधिकार छीन लिया । उनके सारे विशेषाधिकार समाप्त कर दिए गए। अलाउद्दीन ने जाजिया जकात जैसे धार्मिक करों को सम्पत्ति का 40वां भाग जितना कर दिया। अलाउद्दीन ने "खुम्स" का 80 भाग अपने पास रखा अर्थात उसने 4/5 सैनिकों को देने के सीन पर 4/5 अपने पास रखा, जो कि पुराने नियम का सीधा उल्लघंन था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 13 :- तालिकोटा के युद्ध का कारण था:

(A). रामराय का दक्षिणी सल्तनतों के साथ दंभपूर्ण व्यवहार और उनकी अंतर्राज्यीय राजनीति में हस्तक्षेप

(B). वियजनगर के प्रति दक्षिणी सल्तनतों की समान ईर्ष्या व घृणा की भावना

(C). A एवं B दोनों

(D). इनमें से कोई नहीं

AZAD UPPCS ACADEMY

13 (c) :- तालिकोट के समय विजयनगर का शासक सदाशिव राय था किन्तु वास्तविक शक्ति उसके मंत्री रामराय के हाथों में थी। रामराय ने इब्राहीम आदिलशाह के उत्तराधिकारी अली को सरंक्षण प्रदान किया तथा उसकी सहायता से रामराय ने अहमदनगर के शासक को पराजित कर 1559 ई. में एक उसे एक अपमानजनक सन्धि के लिए बाध्य किया तथा 20 वर्षो तक मुस्लिक शासकों पर नियंत्रण रखा।

विजयनगर की बढ़ती शक्ति से दक्षिणी सल्तनतें इतनी आशंकित हो गयी थी इन्होनें पुराने मतभेदों को भुलाकर आपस में एक होने का निश्चय किया और विजयनगर के विरूद्ध एक सैनिक महासंघ का गठन किया।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 14 :- मध्यकालीन भारत में 'महत्तर' और 'पट्टकिल' पदनाम किनके लिए प्रयुक्त होते थे

(A). सैन्य अधिकारी

(B). ग्राम मुखिया

(C). वैदिक कर्मकांड के विशेषज्ञ

(D). शिल्पी श्रेणियों के प्रमुख

AZAD UPPCS ACADEMY

14 (b) :- गांव का प्रशासन गांव के मुखिया की देखरेख में होता था। मध्यकालीन युग में महाराष्ट्र में इसको पट्टकिल तथा आन्ध्र प्रदेश में महत्तर के नाम से जाना जाता था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 15 :- निम्न में से कौन–सा तथ्य विजयनगर साम्राज्य में स्त्रियों की उच्च स्थिति को प्रदर्शित करता हैं?

(A). स्त्रियां अनेक प्रकार के व्यवसायों में संलग्न थीं

(B). बहुविवाह का प्रचलन नही था

(C). सती प्रथा विद्यमान नहीं था

(D). बाल विवाह नहीं होता था

AZAD UPPCS ACADEMY

15 (a) :- संपूर्ण भारतीय इतिहास में विजयनगर साम्राज्य ही अकेला था जहां स्त्रियों को सम्मान तथा अधिक संख्या में राजकीय पद प्राप्त थे। स्त्रियां राजा की अंगरक्षिकाएं थी।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 16 :- विजयनगर साम्राज्य की प्रशासनिक इकाई को क्रम (घटते हुए) से लगाइये:

(i) कोट्टम (ii) नाडू (iii) प्रांत

(iv) मेलाग्राम (v) ऊर

कूट:

(A). i, ii,iii, iv , v

(B). iii, i, ii, iv, v

(C). i, iii, ii, iv, v

(D). iii, ii, i, v, iv

AZAD UPPCS ACADEMY

16 (b) :- विजयनगर साम्राज्य की प्रशासनिक इकाई का क्रम (घटते हुये) इस प्रकार थे– प्रांत (मंडल) – कोट्टम या वलनाडू (जिला) – नाडू – मेलाग्राम (50 ग्राम का समूह) – ऊर (ग्राम)।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 17 :- आयंगर व्यवस्था के संबंध में सत्य कथनों का कूट बनाइये:

(i) आयंगर ग्रामीण इकाइयों पर शासन के लिये 12 प्रशासकीय अधिकारियों का समूह थां

(ii) इन्हें लगानमुक्त एवं करमुक्त भूमि प्रदान की जाती थी

(iii) इनका पद आनुवांशिक होता था।

(iv) ये अपने पद को बेच या गिरवी रख सकते थे।

कूट:

(A). i, ii,iii,

(B). i, ii, iv

(C). i, iii, iv

(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

17 (d) :- प्रशासन को सुचारू रूप से संचालित करने के लिये प्रत्येक ग्राम को एक स्वतंत्र इकाई के रूप में संगठित किया गया था। इन संगठित ग्रामीण इकाइयों पर शासन हेतु 12 प्रशासकीय अधिकारियों की नियुक्ति की जाती थी, जिनको सामूहिक रूप से आयंगर कहा जाता था । ये अवैतनिक होते थे। इनकी सेवाओं के बदले सरकार इन्हें पूर्णतः लगानमुक्त एंव करमुक्त भूमि प्रदान करती थी । इनका पद आनुवांशिक होता था। वह इस पद को बेच या गिरवी रख सकता था। ग्राम स्तर की कोई भी सम्पत्ति इन अधिकारियोंं की इजाजत के बगैर न तो बेची जा सकती थी ओर न ही दान में दी जा सकती थी।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 18 :- निम्नलिखित में से कौन –सा संगत है?

(i) वकील –ए– कुल : दिल्ली के मलिक नायब के समान

(ii) अमीर – ए – जुमला : अर्थ विभाग का अध्यक्ष

(iii) कोतवाल : नगर का मुख्य पुलिस अधिकारी

(iv) सद्र –ए– जहाँ : न्याय विभाग, धर्म तथा दान विभाग का अध्यक्ष

कूटः

(A). i, ii,iii,

(B). ii, iii, iv

(C). i, iii, iv

(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

18 (b) :- बहमनी साम्राज्य के मुहम्मद प्रथम के मंत्री सैफुद्दीन गौरी ने केन्द्रीय शासन का कार्य कई विभागों में विभक्त किया और उसे आठ मंत्रियों को नियुक्त किया, जो इस प्रकार थे:

1. वकील–ए– सल्तनत : दिल्ली के मलि नायक के समान
2. वकील –ए– कुल: सभी मंत्रियों के कार्यो का निरीक्षण (वकील को छोड़कर)
3. अमीर–ए– जूमला: अर्थ विभाग का अध्यक्ष
4. वजीर –ए– अशरफ : विदेश नीति एवं दरबार संबधी कार्यो का निष्पादन करता था।
5. नाजिर : अर्थ विभाग से संबंधित था।
6. पेशवा : वकील –ए– सल्तनत का सहायक।
7. कोतवाल : नगर का मुख्य पुलिस अधिकारी था।
8. सद्र –ए – जहाँ : न्याय विभाग, धर्म तथा दान विभाग का अध्यक्ष।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 19 :- कौन सुमेलित नहीं हैं?

(A). उबंलि भूमि : गांव के कुछ विशेष सेवाओं के बदले में दी जान वाली कर – मुक्त भूमि

(B). कुट्टगि : पट्टे पर ली गई भूमि

(C). कुदि : कृषक मजदूर

(D). मान्या भूमि : राज्य के सीधे नियंत्रण वाले ग्रामों की भूमि

AZAD UPPCS ACADEMY

19 (d) :- उपरोक्त युग्म में से (d) युग्म सुमेलित नहीं हैं। मान्याभूमि से तात्पर्य ऐसी भूमि से था, जो कि धार्मिक सेवाओं के लिए ब्राह्मणों, मठों और मंदिरों में दान की जाती थी एंव कर मुक्त होती थी। इसके विपरीत राज्य के सीधे नियंत्रण वाले ग्रामों की भूमि " भंण्डारवाद भूमि/ग्राम" कहलाती थी, जो कि कर मुक्त होती थी।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 20 :- सूफियों की भाषा में 'जियारत' क्या था?

(A). सूफी सन्तों के मकबरों की, बरकत (आध्यात्मिक कृपा) प्राप्त करने के लिए, तीर्थयात्रा

(B). ईश्वरी नाम गायन

(C). फुतुह (बे–मांगा दान) पर चलाई जा रही निःशुल्क रसोई अर्पित करना

(D). औकाफ (पूर्त न्यास) स्थापित करना।

AZAD UPPCS ACADEMY

AZAD UPSC ACADEMY
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभागी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

ACADEMY

20 (a) :- इस्लामिक विचारधारा में रहस्यवादी व्यक्ति को सूफी कहा गया है। सूफी मत की प्रमुख विशेषता ईश्वर के प्रति गहन प्रेम की भावना है। ईश्वरीय मिलन हेतु सालिक (साधक) को विभिन्न मकामात (अवस्थाएं) पार करनी होती है। सूफी सन्तों के मकबरों की , बरकत (आध्यात्मिक कृपा) प्राप्त करने के लिए तीर्थयात्रा को 'जियारत' कहा गया है।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 21 :- मध्यकालीन भारत के भक्ति आन्दोलन का मुख्य प्रतिफल था/थे:

(A). क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य का विकास
(B). पारिवारिक जीवन का सम्मान
(C). मानवता तथा सहिष्णुता की भावना का विकास
(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

21 (d) :- भक्ति आन्दोलन के मुख्य प्रतिफल थे– क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य का विकास जाती बंधन में छूट, पारिवारिक जीवन का सम्मान, महिलाओं को ऊचां स्थान , मानवता तथा सहिष्णुता की भावना क विकास आदि । इस काल के भक्ति समूह के संतों के सामाजिक और धार्मिक सुधारों का असर संभवतः अधिक स्थायी तथा दूरगामी था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 22 :- सूची – I को सूची – II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची – I (आचार्य)	सूची – I (मत / विचारधारा / वाद)
a. रामानुज आचार्य	1. विशिष्टाद्वैत
b. निम्बार्क आचार्य	2. द्वैताद्वैत / भेदाभेद
c. माधवाचार्य	3. द्वैत
d. विष्णु स्वामी	4. शुद्धाद्वैत

कूट:	a	b	c	d
(A).	1	2	3	4
(B).	2	1	3	4
(C).	1	2	4	3
(D).	4	3	2	1

AZAD UPPCS ACADEMY

22 (a) :-

क्र.सं.	आचार्य	मत	काल
1.	रामानुज	विशिष्टा द्वैतवाद	12वीं शताब्दी
2.	निम्बार्क	द्वैताद्वैतवाद	12वीं शताब्दी
3.	मध्वाचार्य	द्वैतवाद	13वीं शताब्दी
4.	विष्णुस्वामी	शुद्धाद्वैतवाद	15वीं शताब्दी

अतः दिये प्रश्न का सही सुमेल (a) है।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q23:- निम्नलिखि में से कौन–सा/से वाक्य दक्षिण भारत के भक्ति आंदोलन के संदर्भ में सत्य है/हैं?

1. इसका नेतृत्व कई लोकप्रिय संतो द्वारा किया गया था
2. इसके समर्थक संस्कृति में बोलते एवं लिखते थे।
3. इसने जाति व्यवस्था का विरोध किया था।
4. इसके प्रचार–प्रसार में महिलाएं सक्रिय रूप से भाग नही लेती थीं

कूट

(A). 1 और 2

(B). 1 और 3

(C). केवल 1

(D). केवल 4

AZAD UPPCS ACADEMY

23 (b) :- भक्ति आन्दोलन हिन्दुओं का सुधारवादी आन्दोलन था। इसमें ईश्वर के प्रति असीम भक्ति, ईश्वर की एकता, भाईचारा, सभी धर्मो की समानता तथा जाति व कर्मकाण्डों की भर्त्सना की है। वास्तव में भक्ति आन्दोलन का आरम्भ दक्षिण भारत में सातवी से बारहवीं शताब्दी के मध्य हुआ। इस आन्दोलन में समय– समय पर कई धर्म प्रचारक हुए जो निम्नवत् हैं – शंकराचार्य, रामानुज, माधवाचार्य रामानन्द, कबीर, रविदास, गुरू नानक, चैतन्य आदि लोकप्रिय संतों द्वारा किया गया था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 24:- निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

(i) सुहरावर्दी सिलसिला ने राजय के संरक्षण को स्वीकार किया था।

(ii) सत्तारी सिलसिले के अनुयायी गाने– बजाने के विरोधी थे।

(iii) फिरदौसी सुहरावर्दी सिलसिला की एक शाखा थी।

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A). i, ii और iii,

(B). ii, और iii

(C). i और iii

(D). ii और iii

AZAD UPPCS ACADEMY

24 (a) :- भारत में सर्वप्रथम सुहरावर्दी शाखा का प्रचार बहाउद्दीन जकारिया ने किया । इनका जन्म 1181 ई. में मुल्तान में हुआ। इल्तुतमिश ने इन्हें शेख –उल – इस्लाम पर पद दिया था।

फिरदौसिया सिलसिला सुहारावर्दी सिलसिले की एक शाखा थी। इसकी स्थापना शेख बदरूद्दीन समरकंदी ने बिहार के राजगीर में की थी। भारत में इस शाखा का सर्वप्रथम प्रचार शाह नियामत उल्लाह व सैय्यद मकदूम जिलानी ने 15वीं शताब्दी में किया। मकदूम जिलानी ने उच्छ को अपना शिक्षा का केन्द्र बनाया। लोदी सुल्तान सिकन्दर लोदी मकदूम जिलानी का शिष्य था सभी सूफी सिलसिलों में नक्शबंदियों शाखा सर्वाधिक कट्टरवादी थी। भारत में इसके संस्थापक ख्वाजा बकी बिल्लाह थे। मुगल वंश से इस शाखा का सम्बन्ध बाबर से आरम्भ हुआ

Q 25 :- सूफी संतो का मिलान सिलसिलों के साथ करें जिनसे वे सम्बन्धित थे। नीचे दिए गए कोड के आधार पर प्रश्न का उत्तर दें:

सूची – I	सूची – II
a. शेर निजामुद्दीन औलिया	1. कादिरी
b. बहउद्दीन जकारिया	2. सुहरावर्दी
c. मियां मीर	3. चिश्तिया
d. अहमद सरहिंदी	4. नक्शबंदी

कूट:

	a	b	c	d
(A).	2	1	4	3
(B).	3	2	1	4
(C).	4	3	2	1
(D).	1	4	2	3

AZAD UPPCS ACADEMY

25 (a) :- सही सुमेल है:

- शेख निजामुद्दीन औलिया – चिश्तिया
- बहाउद्दीन जकारिया – सुहरावर्दी
- मियां मीर – कादिरी
- अहमद सरहिंदी – नक्शबंदी

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 26:- निम्नलिखित युद्धों को कालक्रमेण सजाइए:

1. सरहिंद का युद्ध
2. चौसा का युद्ध
3. बिलग्राम का युद्ध
4. कांधार विजय

(A). 1, 2,3,4

(B). 3, 2, 1, 4

(C). 2, 4, 3, 1

(D). 2, 3, 1, 4

AZAD UPPCS ACADEMY

26 (d) :- चौसा का युद्ध सन् 1539 ई. में हुमायूं एवं शेरशाह सूरी के बीच हुआ था, जिसमें शेरशाह सूरी विजयी हुआ।

बिलग्राम का युद्ध सन् 1540 में जिसे कन्नौज युद्ध भी कहते हैं। हुमायूं एवं शेशाह के बीच हुआ था, जिसमें शेरशाह सूरी विजयी रहा।

सरहिन्द सिकन्दर सूर के मध्य हुआ, जिसमे बैरम खाँ विजयी रहा तथा हुमायूं को दिल्ली की गद्दी पुनः प्राप्त हुई।

कन्धार का युद्ध सन् 1595 ई. में कन्धार शासक मुजफ्फर हुसैन तथा अकबर सेनापति सूबेदार शाहबेब के मध्य हुआ, जिसमें सूबेदार शाहबेग विजयी रहा।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 27 :- शेरशाह कालीन प्रशासनिक इकाई तथा उनके प्रधान के संबंध में कौन –सा कथन असंगत हैं?

(A). इक्ता (प्रांत) – 'हाकिम' एवं 'अमीन'

(B). सरकार (जिला) – 'शिकदार –ए– शिकदरान' एवं 'मुसिफ–ए–मुसिफान'

(C). ग्राम – 'मुकद्दम' एवं आमिल'

(D). उरारोक्त में से कोई नहीं

AZAD UPPCS ACADEMY

27 (d) :- शेरशाह कालीन प्रशासनिक इकाई — प्रशासनिक इकाई के प्रधान

- इक्ता (प्रांत) — 'हाकिम' एवं ' अमीन'
- सरकार (जिला)(अनेक परगना मिलकर एक सरकार बनाते है।) — 'शिकदार –ए– शिकदरान' एवं 'मुसिफ – ए– मुंसिफान–
- परगना (तालुका) (पचास और सौ या उससे अधिक गांवो का समूह) — 'शिकदार' एवं 'मुंसिफ'
- ग्राम (मौचा) (राजस्व की निम्नतम इकाई) — 'मुकद्दम' एवं 'आमिल'

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 28 :- सूची – I को सूची – II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गये कूट के प्रयोग से सही उत्तर का चयन कीजिए:

सूची – I (घटना)	सूची – I (तिथि)
a. हल्दी घाटीका युद्ध	1. 1611
b. नूरजहां के साथ जहांगीर का विवाह	2. 1576
c. सफवीयों द्वारा कंधार पर अधिकार	3. 1622
d. शिवाजी की मृत्यु	4. 1622

कूट:	a	b	c	d
(A).	2	1	4	3
(B).	1	3	2	3
(C).	2	1	3	4
(D).	4	1	3	2

AZAD UPPCS ACADEMY

28 (a):- सही सुमेल है :

a. हल्दी घाटीका युद्ध	1. 1576
b. नूरजहां के साथ जहांगीर का विवाह	2. 1611
c. सफवीयों द्वारा कंधार पर अधिकार	3. 1622
d. शिवाजी की मृत्यु	4. 1680

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 29:- अकबर के सैन्य अभियानों को कालक्रमानुसार सजाइए:

1. मालवा विजय
2. गुजरात विजय
3. कश्मीर विजय
4. हल्दी घाटी का युद्ध
5. सिन्ध विजय
6. असीरगढ़ विजय

कूट:

(A). 1, 2,3,4,5,6

(B). 2,1,4,3,6,5

(C). 1,2,4,3,5,6

(D). 1,2,4,5,3,6

AZAD UPPCS ACADEMY

29 (c) :-

- मालवा का युद्ध 1561 ई. में बाज बहादुर तथा मुगल सेनापति वीर मुहम्मद एवं आधम खां के मध्य हुआ, गुजरात युद्ध 1571 में मुजफ्फर खां – तथा मुगल सेनापति खान –ए– आजम एवं अकबर के मध्य हुआ,
- हल्दी घाटी का युद्ध 1576 में मेवाड़ शासक महाराणा प्रताप तथा अकबर के मध्य हुआ
- कश्मीर युद्ध 1586 में कश्मीर शासक यूसुफ खां, याकूब खां एवं मुगल सेनापति भगवान दास एवं कासिम खां के मध्य हुआ।
- सिन्ध युद्ध 1691 में सिन्ध शासक जानी बेग और मुगल सेनापति अर्ब्दुरहीम खान–ए–खाना के मध्य हुआ
- असीरगढ़ का यु0 1601 ई. में असरीगढ़ शासक मीर बहादुर तथा अकबर के मध्य हुआ

ये सभी युद्ध अकबर के शासन काल मे हुए, जिसमें सभी युद्ध मुगल सेनापति व अकबर द्वारा जीते गये ।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 30 :- अकबर द्वारा किये कार्यो को कालक्रमानुसार सजाइये:

(i) तीर्थ यात्रा कर समाप्त

(ii) हरम दल से मुक्ति

(iii) जजियाकर की समाप्ति

(iv) राजधानी का आगरा से फतेहपुर सीकरी स्थानांतरण

कूट:

(A). ii, i,iii, iv

(B). i, ii, iii, iv

(C). iii, ii, i, iv

(D). ii, iii, i, iv

AZAD UPPCS ACADEMY

30 (a) :- 1562 — अकबर को हरम दल से मुक्ति।

1563 — तीर्थ यात्रा कर की समाप्ति।

1564 — जजिया कर की समाप्ति।

1571 — राजधानी का आगरा से फतेहापुर सीकरी स्थानांतरण तथा फतेहपुर सीकरी की स्थापना।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 31 :- निम्नलिखित में से कौन –से यूरोपीय यात्री जहांगीर के शासनकाल में भारत आये?

(i) कैप्टन हॉकिन्स

(ii) सर टॉमस रो

(iii) विलियम फिंच

(iv) एडवर्ड टैरी

कूटः

(A). ii, i,iii

(B). i, ii, iv

(C). i, iii, iv

(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

31 (d) :- जहांगीर के शासनकाल में कैप्टन हॉकिन्स, सर टॉमस रो, विलियम, फिचं एवं एडवर्ड टैरी जैसे यूरोपीय यात्री भारत आये।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 32 :- अकबरकालीन मनसबदारी व्यवस्था के संबंध में कौन –सा कथन संगत है?

(I) अकबर की मनसबदारी व्यवस्था दशमलव प्रणाली पर आधारित थी।

(II) मुगल मनसब दोहरी प्रकृति का था, जिसमें दो संख्याएं थी– जात और सवार

(III) सन् 1573 ई. मे अबकर ने घोड़ों को दागने की प्रथा का पुनः प्रचलन किया।

कूटः

(A). ii और ii

(B). ii और iii

(C). i और iii

(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

32 (d) :- 'मनसब ' शब्द का अर्थ 'श्रेणी' या 'पद' है तथा 'मनसबदार' का अर्थ उस अधिकारी से था, जिसे शाही सेना में एक पद या श्रेणी प्राप्त थी। अकबर की मनसबदारी व्यवस्था 'दशमलव प्रणाली' पर आधारित थी। मुगल मनसब दोरी प्रकृति का था, जिसमें दो संख्याएं थी– जात और सवार। जत एक व्यक्तिगत दर्जा था, जो मनसबदार की स्थिति और पदवी दर्शाता था। सवार घुड़सवार या सैन्य दर्जा था। यह मनसबदार का सैन्य कर्तव्य दर्शाता था यानी कि उसे राज्य के लिये कितने घुड़सवार और घोड़े रखने हैं अकबर ने सन् 1573 ई. में घोड़ों को दागने की प्रथा का पुनः प्रचलन किया, जिससे सेनापति अपने घोड़े न बदल सकें अथवा एक घोड़े को दो बार प्रस्तुत न कर सकें

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 33 :- अकबर द्वारा उठाये गये कुछ धार्मिक और सामाजिक सुधार से सम्बन्धित कदमो को कालक्रमानुसार सजाएइ:

1. धर्म संसद (Parliament of Religions)
2. मजहर या तथा कथित अमोघत्व की घोषणा
3. दीन ए– इलाही की घोषणा
4. कुछ निश्चित दिनों में कई जानवरों की हत्या का निषेध
5. दास प्रथा का अंत
6. तीर्थ यात्रा कर समाप्त

कूट:

(A). 6,4,3,2,1,5 (B). 5,6,1,2,3,4

(C). 5,6,3,2,1,4 (D). 6,4,3,1,2,5

AZAD UPPCS ACADEMY

33 (b) :- '

1562	–	दास प्रथा का अंत
1563	–	तीर्थ यात्रा कर समाप्त
1578	–	धर्म संसद
1579	–	मजहर
1582	–	दीन – ए– इलाही की स्थापना
1583	–	कुछ निश्चित दिनों में कई जानवरों की हत्या का निषेध

AZAD UPPCS ACADEMY

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 34 :- मुगल शासन के तहत सैनिक विभाग के साथ –साथ अमीर वर्ग का मुखिया, मीर बख्शी का निम्नलिखित में से कौन–सा एक कार्य नहीं है?

(A). उसने सम्राट के मनसबों की नियुक्ति की सिफारिश की

(B). उसने साम्राज्य की जांच तथा सूचना अभिकरणों की रिपोर्टो को एकत्रित किया तथा उन्हें दरबार मे सम्राट को प्रस्तुत किया ।

(C). वह सभी आय एवं खर्च के लिए जिम्मेदार था तथा खलिसा, जागीर एवं इनाम भूमि के ऊपर उसका नियन्त्रण था।

(D). वह साम्राज्य के राजमार्गो पर विदेशी यात्रियों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार था

AZAD UPPCS ACADEMY

34 (d) :- मुगल शासन के तहत मीर बख्शी प्रान्तीय सैन्य प्रधान होता था। इसके अलावा वह सम्राट के मनसबों की नियुक्ति की सिफारिश, साम्राज्य के जांच तथा सूचना अभिकरणों की रिपोर्टो को एकत्रित करना इत्यादि कार्यो का सम्पादन करता था। वह सभी आय एवं खर्च के लिए जिम्मेदार था तथा खलिसा, जागीर एवं इनाम भूमि पर उसका नियन्त्रण था। राजमार्गो पर विदेशी यात्रियों की सुरक्षा के लिए वह जिम्मेदार नहीं था

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 35 :- शेरशाह सूरी भारत का प्रमुख शासक माना जाता है, उसने क्या–क्या सुधार किए?

(A). भारत के अन्दर कंद्रीकृत व्यवस्था की पुनः स्थापना की
(B). विभिन्न सड़कों एवं सरायों का निर्माण करवाया।
(C). डाक–चौकियों का निर्माण एवं नवीन मुद्रा का चलन किया
(D). उपरोक्त सभी कथन सत्य है।

AZAD UPPCS ACADEMY

35 (d) :- डॉ. कानूनगों के अनुसार शेरशाह का शासन अत्यधिक केंद्रीकृत था। प्रांत या सूबा का अस्तित्व बेहद कम महत्व का था। शेरशाह 4 बड़ी सड़कों तथा 1700 सरायों का निर्माता था। डाक चौकियों का निर्माण तथा सोने, चांदी, तांबे के सिक्कों का प्रवर्तक था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 36 :- परगने के अधिकारियों एवं उनके कार्यो से संबंधित कौन –सा जोड़ा सुमेलित नही है।

(A). शिकार – सैन्य अधिकारी
(B). आमिल – वित्त अधिकारी
(C). कारकुन – परगने का क्लर्क
(D). कानूनगो – खजांची

AZAD UPPCS ACADEMY

36 (d) :- फातेदार या परगने का खजांची कानूनगो से अगल होता था। कानूनगों का काम पटवारियों का नेतृत्व करना था। भूमि का सर्वेक्षण ताि राजस्व वसूली कानूनगो के जिम्मे थे

AZAD UPPCS ACADEMY

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभागी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com